Seventeenth Loksabha

>

Title: Need for alternative solution for conserving Water and using it for irrigation purpose by Government of India.

श्री जगदम्बिका पाल (डुमरियागंज): अधिष्ठाता महोदया, मैं आपका बहुत आभारी हूं । सबसे पहले तो मैं यह कहना चाहता हूं कि आज अन्तर्राष्ट्रीय जल दिवस है । आज के दिन एक ऐतिहासिक बिल भी आया है, इसलिए मैं इस माध्यम से बधाई देता हूं । चिंता इस बात की है कि आज भारत में 1700 क्यूसेक पानी सबको चाहिए, मगर उपलब्धता मात्र 1486 क्यूसेक की है । एक तरफ हम हर घर को नल का पानी देने जा रहे हैं और हमारी सरकार का संकल्प पहाड़ों तक पानी पहुंचाने का भी है । इसलिए पानी का चक्र जीवन के चक्र से जुड़ा हुआ है । वॉटर हार्वेस्टिंग की बात की जाती है, लेकिन जिस तरीके से आज सरफेस वॉटर की जगह पर बोरवेल से या ग्राउण्ड वॉटर से खेती हो रही है, निश्चित तौर से इस पानी का संरक्षण करने की मैं मांग करता हूं ।

महोदया, आपके माध्यम से मैं सरकार से मांग करता हूं कि एक ऐसी स्कीम बनाई जाए, जिससे जल का संरक्षण हो । आज बोरवेल के पानी से खेती हो रही है । महाराष्ट्र की भावना जी यहां बैठी हैं । अहमदनगर में एक ढेबरी गांव है । उस गांव के लोग पलायन कर रहे थे । उन्होंने संकल्प लिया कि हम बोरवेल से खेती नहीं करेंगे । आज वह गांव देश का सबसे समृद्धशाली गांव हो गया है । वहां पर रोज 4,000 लीटर दूध का उत्पादन हो रहा है ।

महोदया, आज 'विश्व जल दिवस' के अवसर पर मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करता हूं कि हम किस तरीके से पानी का संरक्षण करें, इसके लिए उपाय किए जाएं ।